सदगुरु तेरे चरणो की .....

सदगुरु तेरे चरणो की धुली गर मिल जाये ।
सच कहता हूँ दाता तकदीर बदल जाये ॥

यह मन बडा चंचल है । तेरा ध्यान नही करता ॥
जितना इसे समझाऊ । उतना ही मचल जाएं ॥
सदगुरु तेरे चरणो की धुली गर मिल जाये ।

चरणो मे तेरे दाता । निज बरसती है रहमत ॥
एक बुँद जो मिल जाए । दिल की कली खिल जाएं ॥
सदगुरु तेरे चरणो की धुली गर मिल जाये ।

नजरो से गिराना ना । चाहे जो भी सजा देना ॥
नजरो से गिर गये वो । मुश्किल है सम्भल पाएं ॥
सदगुरु तेरे चरणो की धुली गर मिल जाये ।

गुरुदेव मेरे प्यारे । बस इतनी दया करना ॥
दरबार मे जब आँऊ । तेरा दरस मील जाएं ॥
सदगुरु तेरे चरणो की धुली गर मील जाये ॥